2. Why is GNP a better measure of national income than GDP?

1. GNP reflects an economy's interconnection and interdependence on world economy, which is not captured by GDP.
2. GNP includes the idea of depreciation of national capital, which is not accounted by GDP.
3. GNP accounts for the population headcount in the nation, which GDP does not include.

Select the correct answer using the codes below.

(a) 1 and 3 only (b) 1 only
(c) 1 and 2 only (d) 2 and 3 only

Net foreign factor income (NFIA) of India will change if:

1. More remittances are received from Indian workers in Gulf countries
2. The returns of foreign investors on investment in India start rising

Which of the above is/are correct?

(a) 1 only (b) 2 only
(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

9. If the difference between the GDP and NDP is very less for an economy, what can it imply?
   (a) The economy is growing at a very slow rate.
   (b) The economy can be technologically advanced.
   (c) The economy has low natural resource base.
   (d) Foreign investments form a major chunk of investments in the economy.

In which of the following cases, the GNP of India would increase?
1. More remittances are being sent by Indians residing in Gulf countries.
2. India borrows less and lends more to other world economies.
3. Software exports from India increase.

Choose the correct answer using the codes below.

(a) 1 and 2 (a) 2 and 3
(a) 1 only (a) All of the above

99. It is said that net domestic product (NDP) is a more realistic assessment of an economy's resources than gross domestic product (GDP). This is because:
   1. NDP takes into account taxes and subsidies paid which GDP does not.
   2. NDP accounts for economic depreciation which GDP does not.

Which of the above is/are correct?

(a) 1 only (b) 2 only
(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

Consider the following statements about depreciation in an economy.

1. More depreciation will reduce the net investment in the economy.
2. Depreciation takes natural calamities and sudden destruction of property into account.

Which of these is/are true?

(a) 1 only (b) 2 only
(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

NDP is not used to compare the economies of the world. This is because:

(a) The deprecation levels set by different economies for goods are different
(b) NDP is also affected by the levels of indirect taxes and subsidies offered by an economy which can be different for different economies
(c) IMF and World Bank do not use NDP for comparing economies
(d) None of the above

NNP is obtained after:

(a) Adding net factor income from abroad to the NDP

(b) Discounting depreciation from GDP

(c) Adding net capital formation to GDP

(d) Summing the consumption expenditures of all individuals residing within the economy

प्रति व्यक्ति आय (Per Capita Income) -

- किसी निर्धारित वर्ष में किसी देश के लोगो द्वारा प्राप्त होने वाली औसत आय केा प्रतिव्यक्ति आय कहते है। इसका उपयोग किसी देश के भीतर विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों मे जीवन स्तर का अनुमान लगाने के लिए किया जा सकता है।
- प्रति व्यक्ति आय किसी भी देश के लोगों के कल्याण का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। वास्तविक प्रति व्यक्ति आय की गणना स्थिर मूल्यों (Constant Price) पर की जाती है जबकि प्रति व्यक्ति मौद्रिक आय की गणना चालू मूल्यों (Current Price) पर की जाती है।
- इसी प्रकार प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद को भी ज्ञात किया जा सकता है। यदि बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद को उस वर्ष की जनसंख्या से भाग दें तो प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद प्राप्त होता है।
- साधन लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद (NNP_{FC}) को राष्ट्रीय (NI) कहा जाता है।

Competition

राष्ट्रीय आय से संबंधित समुच्चय (Aggregates related to National Income)

- अर्थव्यवस्था के कुछ ऐसे घटक जिनका अध्ययन राष्ट्रीय आय की अवधारणा को समझने के लिए आवश्यक है, जिससे बेहतर और सुस्पष्ट आँकड़े प्राप्त हो सके। इन्हे निम्न घटकों के द्वारा समझा जा सकता है -

01. मुद्रास्फीति के आधार पर -

- मुद्रास्फीति - एक अर्थव्यवस्था में वस्तुओं के कीमत स्तर में होने वाली निरन्तर वृद्धि को मुद्रास्फीति (Inflation) कहा जाता है। मुद्रास्फीति का शाब्दिक अर्थ, मुद्रा के मूल्य में कमी होना है अर्थात मुद्रा की क्रय शक्ति में कमी आने को ही मुद्रास्फीति कहा जाता है।
- आर्थिक विकास को स्पष्ट रूप से समझने के लिए मुद्रास्फीति विचारणीय है। क्योंकि सकल घरेलू उत्पाद के विकास दर के मापन के लिए मुद्रास्फीति हमेशा मौजूद रहती है, इसलिए उत्पादन क्षमता बढ़ती रहनी चाहिए ताकि बाजार में मांग की पूर्ति हो सके और GDP में भी वृद्धि सुस्पष्ट रूप से बढ़ती रहे। GDP के बेहतर आंकलन के लिए वस्तुओं के स्थिर और चालू मूल्य पर GDP की गणना होनी चाहिए।

a) स्थिर मूल्य (Constant Price) -

- जब वर्तमान में उत्पादित वस्तु का मूल्य पीछे के किसी आधार वर्ष पर निकालते हैं तो वह उसका स्थिर मूल्य कहलाता है अर्थात स्थिर मूल्य महंगाई को स्थिर मानकर निकाला जाता है।
- किसी वस्तु के मूल्य के लिए चुने गए आधार वर्ष (Base Year) से अब तक जो मूल्य वृद्धि हुई, उसे किसी उत्पाद का स्थिर मूल्यों पर मूल्य (Price at Constant Price) कहा जाता है।
- वर्तमान में भारत में वर्ष 2011-12 (आधार वर्ष) को स्थिर मूल्य का वर्ष माना जाता है। इसे आधार वर्ष कहा जाता है। इस प्रकार भारत में किसी उत्पाद का मूल्य स्थिर मूल्य पर वह मूल्य है, जिसमें मुद्रास्फीति (Inflation) को 2011-12 के स्तर पर स्थिर (Constant) मान लिया गया है।
- नोट - आर्थिक विकास दर की गणना हेतु केन्द्र सरकार द्वारा 2017-18 को नया बेस ईयर बनाने पर विचार चल रहा है।

b) प्रचलित मूल्य (Current Price) -

- किसी उत्पाद पर जो अधिकतम खुदरा मूल्य (Maximum Retail Price MRP) अंकित होता है, वह उसका चालू मूल्य है अर्थात किसी उत्पाद का चालू मूल्य उसके स्थिर मूल्य में आधार वर्ष से

Competition community

अब तक की मुद्रास्फीति को जोड़कर प्राप्त किया जा सकता है तथा महँगाई की वर्तमान स्थिति को समायोजित करके निकाला जाता है।

क्र.	प्रचलित कीमतों पर जीडीपी (GDP at Current Prices)	स्थिर कीमतों पर जीडीपी (GDP at Constant Prices)
1	यह एक लेखा वर्ष के दौरान एक देश की घरेलू सीमा में उत्पादित अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का बाजार मूल्य हैं, जिसका अनुमान प्रचलित कीमतों (Current Price) पर लगाया जाता है।	यह एक लेखा वर्ष के दौरान एक देश की घरेलू सीमा में उत्पादित अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य है, जिसका अनुमान आधार वर्ष (Base Year) की कीमतों पर लगाया जाता है।
2	जीडीपी में वृद्धि कीमतों में वृद्धि के कारण भी हो सकती है भले ही अर्थव्यवस्था में वस्तुओं तथा सेवाओं के प्रवाह में वृद्धि न हुई हो।	इसमें वृद्धि केवल तभी संभव है जब अर्थव्यवस्था में वस्तुओं तथा सेवाओं के प्रवाह में वृद्धि हो।
3	इसे मौद्रिक जीडीपी (Nominal GDP) भी कहा जाता है।	इसे वास्तविक जीडीपी (Real GDP) भी कहा जाता है।
4	यह लोगों के कल्याण का एक बेहतर सूचक नहीं है।	यह लोगों के कल्याण का बेहतर सूचक माना जा सकता है।

Competition community

By Akash singh

Competition community